Report of the

Workshop conducted on

"Fish Health Management"

Under SCSP programme

Organized by:

AEHM Division ICAR-CIFE, Mumbai

In collaboration with

ICAR-CIFE Powarkheda Centre

On 20.12.2023

A workshop on "Fish Health Management" was conducted on 20th Dec 2023 under the SCSP program at ICAR-CIFE Powarkheda Centre in collaboration with ICAR-CIFE AEHM Division Mumbai and ICAR-CIFE, Powarkheda Centre under the guidance of Dr. Ravishankar C.N. Director and Vice-Chancellor, Dr. N.P. Sahu, Joint Director, Dr. Megha Kadam Bedekar, head of the AEHM Division and Dr. S. Munilkumar, Nodal officer SCSP of ICAR-CIFE, Mumbai. Fifteen farmers from Harda and Narmadapuram district attended the workshop. Dr. Arun Sharma, Scientist AEHM division ICAR-CIFE Mumbai, welcomed all the participants and presented an overview of the program. Dr. Sunil Kumar Nayak, OIC, has chaired the program and emphasizes the importance of fish health management in fish farming, particularly in a state like Madhya Pradesh. He also appreciated the AEHM Division's efforts in conducting such a workshop. During the program, two training manuals and leaflets on fish health management in Hindi and English were released and distributed among the farmers. Along with the lectures, farmers were given a field demonstration about the prophylactic and therapeutic measures of fish farming. Fish fingerlings were distributed among the farmers, and three farmers were supplied with aquarium fish. They were advised to follow all the fish health management practices discussed and mentioned in the brochures. There was also a discussion among the farmers and the scientific staff about problems faced by the farmers, particularly in that area. The program was concluded with a vote of thanks offered by Dr. Harsa Haridas. The program was coordinated by Dr. Arun Sharma, Dr. Sunil Kumar Nayak, Mr. Dhalongaih Reang, and Dr. Harsa Haridas.

एस.सी.एस.पी. कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला का रिपोर्ट

कार्यशाला :"मछली स्वास्थ्य प्रबंधन"

आयोजक: ए.ई.एच.एम. प्रभाग भा.कृ.अनु.प. –सी.आई.एफ.ई., मुंबई और भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई. पोवारखेड़ा केंद्र।

दिनांक: 20.12.2023

डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक एवं कुलपति, डॉ. एन. पी. साहू, संयुक्त निदेशक, डॉ. मेघा कदम बेडेकर, प्रमुख ए.ई.एच.एम. प्रभाग, भा.कृ.अनु.प. – सी.आई.एफ.ई., और डॉ. एस. मुनिलकुमार, नोडल अधिकारी एससीएसपी मुंबई के मार्गदर्शन में भा.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई. पोवारखेड़ा केंद्र में एस.सी.एस.पी. कार्यक्रम के तहत आई.सी.ए.आर.-सी.आई.एफ.ई. एईएचएम डिवीजन मुंबई और आई.सी.ए.आर.-सी.आई.एफ.ई., पोवारखेड़ा केंद्र के सहयोग से 20 दिसंबर 2023 को “मछली स्वास्थ्य प्रबंधन” पर एक कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में हरदा और नर्मदापुरम जिले के 15 किसानों ने भाग लिया। डॉ. अरुण शर्मा, वैज्ञानिक ए.ई.एच.एम. प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.- सी.आई.एफ.ई. मुंबई ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। डॉ. सुनील कुमार नायक, ओ.आई.सी. ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की है। वह मध्य प्रदेश जैसे राज्य में मछली पालन में मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया है और इस कार्यशाला की सराहाना की है और निकट भविष्य में इसी तरह के कार्यक्रम की उम्मीद की है। कार्यक्रम के दौरान मछली स्वास्थ्य प्रबंधन पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों में प्रशिक्षण मैनुअल और ब्रोशर जारी किए गए और किसानों के बीच वितरित किए गए। व्याख्यान के साथ-साथ किसानों को मछली पालन के बारे में रोगनिरोधी और चिकित्सीय उपायों के बारे में एक व्यावहारिक प्रदर्शन दिया गया। किसानों के बीच फिश फिंगरलिंग वितरित किए गए और 3 किसानों को एक्वैरियम मछली वितरित किए गए । किसानों और वैज्ञानिक कर्मचारियों के बीच विशेष रूप से उस क्षेत्र में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में भी चर्चा हुई। कार्यक्रम का समापन डॉ. हरसा हरिदास के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। डॉ. अरुण शर्मा, डॉ. सुनील कुमार नायक, श्री धलोंगईह रियांग और डॉ. हरसा हरिदास द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया था।